Govt. Arya Degree College Nurpur, District Kangra, H.P. 176202

A Report

National-level Seminar Series

on

Indian Knowledge Systems (IKS)

3. Biodiversity and Indian Knowledge Systems

(19 November 2025)

On November 19, 2025, at the National Seminar Series on Indian Knowledge Systems, organized by the Internal Quality Assurance Cell of Government Arya Degree College, Nurpur, the keynote speaker, Sh. Amit Sharma, I.F.S., delivered a lecture on "Biodiversity and Indian Knowledge Systems". A total of 85 students attended the programme. Dr. Rakesh Kumar, Coordinator I.Q.A.C. welcomed all participants. The keynote speaker stated that the state of Himachal Pradesh is endowed with a diverse landscape that supports a rich variety of flora and fauna. He provided a critical analysis of forest resources in India. He talked about forest diversity in Himachal Pradesh with specific emphasis on Nurpur subdivision and encouraged participants to conserve it. Traditional use of forest resources by the local inhabitants for the treatment of various ailments was also presented and discussed by him. Students queries were also answered by the speaker. He motivated the students to work hard to achieve their aim of interest. The various career opportunities in forest services, administrative services and how to prepare for them were discussed by the speaker with the students. College Principal Dr. Anil Kumar Thakur highlighted the biodiversity services for the human wealth and thanked the speaker for the motivating the students. Also, to conserve and promote this floral and faunal diversity; a brochures containing details of the native plant species of the Nurpur region and birds in the courtyard identified during survey by the forest department were provided to the students with the objective of enhancing awareness about these species and their significance in providing ecosystem services. On this occasion Dr. Diljeet Singh, Associate Professor of Zoology; Dr. Satya Prakash, Assistant Professor of Geography; Ms. Pearl Bakshi, Assistant Professor of Economics and Dr. Manoj Kumar, Assistant Professor of Chemistry were present.

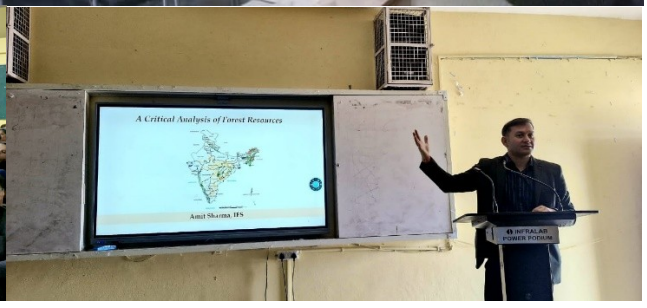

INFRALAB
POWER PODIUM

A Critical Analysis of Forest Resources
Amit Sharma, IFS
INFRALAB
POWER PODIUM
GPS Map Camera
Nurpur, Himachal Pradesh, India
8v2j+c37, Nurpur, Himachal Pradesh 176202, India
Lat 32.301308° Long 75.88047°
Wednesday, 19/11/2025 11:39 AM GMT +05:30
Google

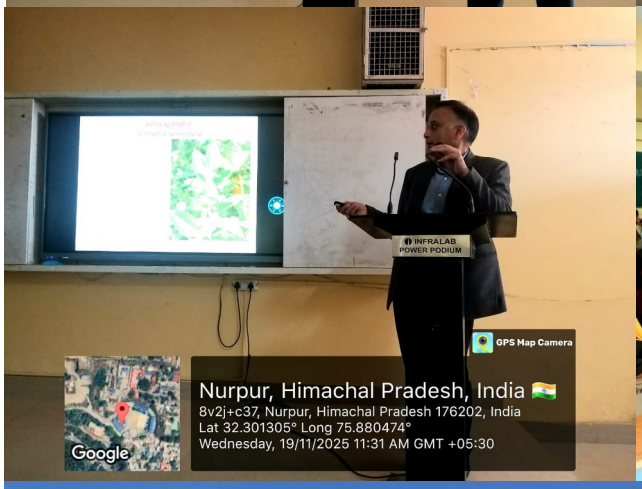
INFRALAB
POWER PODIUM
GPS Map Camera
Nurpur, Himachal Pradesh, India
8v2j+c37, Nurpur, Himachal Pradesh 176202, India
Lat 32.301305° Long 75.880474°
Wednesday, 19/11/2025 11:31 AM GMT +05:30
Google

GOVT. ARYA DEGREE COLLEGE NURPUR, DIST. KANGRA (H.P.)

राजकीय आर्य डिग्री कॉलेज नूरपुर में जैव विविधता और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर व्याख्यान

सवेरा न्यूज/पंकज कौशल

नूरपुर,19 नवंबरः राजकीय आर्य डिग्री कॉलेज, नूरपुर के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी श्रृंखला में, मुख्य वक्ता, अमित शर्मा, भारतीय वन सेवा अधिकारी ने ह्लजैव विविधता और भारतीय ज्ञान प्रणालीह्व पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में कुल 85 छात्रों ने भाग लिया। डॉ. राकेश कुमार, सह आचार्य वनस्पति विज्ञान व समन्वयक आई.क्यू.ए.सी. ने सभी

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थी सामूहिक चित्र में।

प्रतिभागियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हिमाचल प्रदेश राज्य विविध परिदृश्य से संपन्न है जो वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध विविधता का समर्थन करता है। उन्होंने भारत में वन संसाधनों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रदान किया। उन्होंने नूरपुर उपखंड पर विशेष जोर देते हुए हिमाचल प्रदेश में वन विविधता के बारे में बात की और प्रतिभागियों को इसे संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ठाकुर ने जैव विविधता की मानव संपदा के लिए सेवाओं पर प्रकाश डाला और छात्रों को प्रेरित करने के लिए वक्ता का धन्यवाद किया। इस अवसर पर प्राणि विज्ञान के सह आचार्य डॉ. दिलजीत सिंह; भूगोल के सहायक आचार्य डॉ. सत्य प्रकाश; अर्थशास्त्र की सहायक आचार्या पर्ल बख्शी और रसायन विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को जैव विविधता बारे दी जानकारी

नूरपुर, 19 नवम्बर (निस) : बुधवार को राजकीय आर्य डिग्री कॉलेज नूरपुर के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी श्रृंखला में मुख्य वक्ता अमित शर्मा भारतीय वन सेवा अधिकारी ने जैव विविधता और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. राकेश कुमार, सह आचार्य वनस्पति विज्ञान व समन्वयक आई .क्यू .ए .सी .ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हिमाचल विविध परिदृश्य से संपन्न है जो वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध विविधता का समर्थन करता है। उन्होंने नूरपुर उपखंड पर विशेष जोर देते हुए हिमाचल प्रदेश में वन विविधता के बारे में बात की और प्रतिभागियों को इसे संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ठाकुर ने जैव विविधता की मानव संपदा के लिए सेवाओं पर प्रकाश डाला और छात्रों को प्रेरित करने के लिए वक्ता का धन्यवाद किया।

उज्जवल हिमाचल।नूरपुर

नूरपुर राजकीय आर्य डिग्री कॉलेज, नूरपुर के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आज आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी श्रृंखला में, मुख्य वक्ता, अमित शर्मा, भारतीय वन सेवा अधिकारी ने "जैव विविधता और भारतीय ज्ञान प्रणाली" पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में कुल 85 छात्रों ने भाग लिया। डॉ. राकेश कुमार, सह आचार्य वनस्पति विज्ञान व समन्वयक आई.क्यू.ए.सी. ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि हिमाचल प्रदेश राज्य विविध परिदृश्य से संपन्न है जो वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध विविधता का समर्थन करता है। उन्होंने भारत में वन संसाधनों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रदान किया।

भारतीय ज्ञान प्रणाली पर भारतीय वन सेवा अधिकारी ने छात्रों को किया जागरूक

November 19, 2025

उन्होंने नूरपुर उपखंड पर विशेष जोर देते हुए हिमाचल प्रदेश में वन विविधता के बारे में बात की और प्रतिभागियों को इसे संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए स्थानीय निवासियों द्वारा वन संसाधनों के पारंपरिक उपयोग को भी उनके द्वारा प्रस्तुत और चर्चा की गई। कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ठाकुर ने जैव विविधता की मानव संपदा के लिए सेवाओं पर प्रकाश डाला और छात्रों को प्रेरित करने के लिए वक्ता का धन्यवाद किया।

साथ ही, इस वनस्पति और जीव-जंतु विविधता के संरक्षण और संवर्धन हेतु, नूरपुर क्षेत्र की स्थानीय पादप प्रजातियों और वन विभाग द्वारा सर्वेक्षण के दौरान पहचाने गए पक्षियों के विवरण वाले ब्रोशर छात्रों को प्रदान किए गए, जिसका उद्देश्य इन प्रजातियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ प्रदान करने में उनके महत्व को बढ़ाना है। इस अवसर पर प्राणि विज्ञान के सह आचार्य डॉ. दिलजीत सिंह; भूगोल के सहायक आचार्य डॉ. सत्य प्रकाश; अर्थशास्त्र की सहायक आचार्या सुश्री पर्ल बख्शी और रसायन विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार उपस्थित थे।

संवाददाता: विनय महाजन